जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 97
दिनांक 29.05.2023

कृषि क्षेत्र में इनोवेशन,मार्केटिंग, प्रोडक्शन हेतु भविष्य की कार्ययोजना सार्थक साबित होगी– डॉ. दिनेश मारोठिया

कृषि क्षेत्र में अभिनव नीतिगत कार्यक्रमों पर प्राथमिक अतः दृष्टि एवं संभावनाओं पर 2 दिवसीय आंचलिक सम्मेलन का हुआ भव्य शुभारंभ

जबलपुर 29 मई, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के तत्वाधान में कृषि अर्थशास्त्र एवं प्रक्षेत्र प्रबंध विभाग, जबलपुर द्वारा भारतीय कृषि अर्थशास्त्र समिति, मुम्बई के सहयोग से कृषि क्षेत्र के अभिनव नीतिगत कार्यक्रमों पर प्राथमिक अंतःदृष्टि एवं उभरती संभावनाओं के परिप्रेक्ष्य में दो दिवसीय आंचलिक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ, डॉ. दिनेश मारोठिया, अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चर इकानॉमिक्स,मुम्बई, के मुख्य आतिथ्य में एवं कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता हुआ। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्यअतिथि डॉ. दिनेश मारोठिया, अध्यक्ष, इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रीकल्चर इकानॉमिक्स,मुम्बई ने अपने उद्बोधन में कार्यशाला की थीम और सब थीम, औचित्य एवं सार्थकता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। आपने उम्मीद व्यक्त की है कि इस कार्यशाला के दौरान जो भी इनोवेशन, मार्केटिंग, प्रोडक्शन से संबंधित बेहतर अनुशंसित कार्ययोजना आती है। उन्हें एक रिपोर्ट के रूप में तैयार किया जाए। जिससे भविष्य में इस पर कार्य योजना एवं विचार किया जा सकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत निर्णय एवं कृषि के उत्तरोत्तर प्रगति हेतु उपयोगी साबित होगी। डॉ. एस.आर.के.सिंह, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान,जबलपुर, ने भी कार्यशाला के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किये।

कृषि अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष एवं प्रक्षेत्र प्रबंधन, डॉ. एस.बी. नाहटकर ने स्वागत उद्बोधन एवं 2 दिवसीय सम्मेलन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. हरिओम शर्मा, संचालक एग्रो इकानॉमिक्स रिसर्च सेंटर ने किया। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र उड़ीसा, झारखंड एवं अन्य राज्यों के लगभग 125 कृषि अर्थशास्त्र, शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता एवं शोध विद्यार्थी सम्मिलित हुए एवं अपने शोध की जानकारी, पोस्टर प्रदर्शन द्वारा दी।

कार्यशाला में डॉ. रमेश मित्तल, निदेशक, चौधरी चरण सिंह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग,जयपुर, डॉ. कमल वट्टा, विभागाध्यक्ष कृषि अर्थशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान, कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब इसके अलावा कार्यशाला में संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के.कौतू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर डॉ. पी.बी.शर्मा, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, उपलेखा नियंत्रक डॉ. अजय खरे, भतपूर्व प्रोफेसर डॉ. ए.के. रघुवंशी, डॉ. एन.एल. इदनानी, डॉ.के.जी. चौबे, डॉ. बिपिन ब्यौहार, डॉ. ए.के. सरावगी, डॉ. दीपक राठी, संयुक्त संचालक कृषि श्री के.एस. नेताम, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. पी.पी. बानी सहित अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कृषि अर्थशास्त्र, शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता एवं शोध विद्यार्थी सम्मिलित हुये। इस सम्मेलन में डॉ. नहातकर, एवं समस्त प्राध्यापक,कृषि अर्थशास्त्र विभाग का विशेष सहयोग प्रदान कर रहे हैं।